कोरोना वायरस, अब जाओ बस!

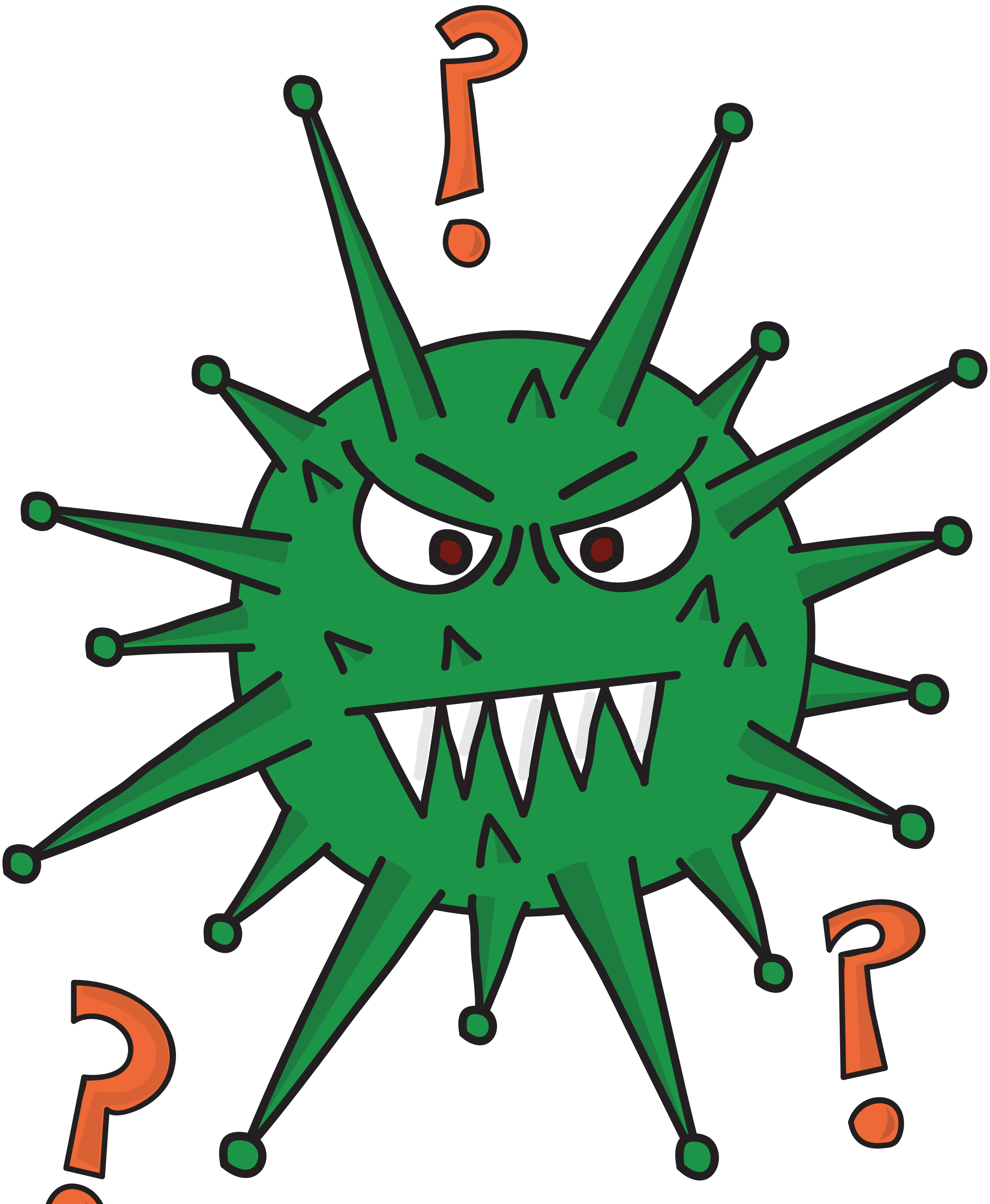

लेखन और चति्र दवि्या थोमस

अनुवाद राज शेखर

कुछ तो अलग लग रहा है हवा में,
बड़ा-सा एक डर फैला है अब जहाँ में।

रस्ता बनाते एक वायरस कोरोना,
दुनिया में पहुँचा हरेक कोना-कोना,
अब डॉक्टर्स जो कहते वो तुम भी सुनो ना।

यह करता है बीमार हमें, हम ना चाहें यह यहाँ रहे,
क्या करें कि यह वायरस, हमसे बिल्कुल दूर भगे?

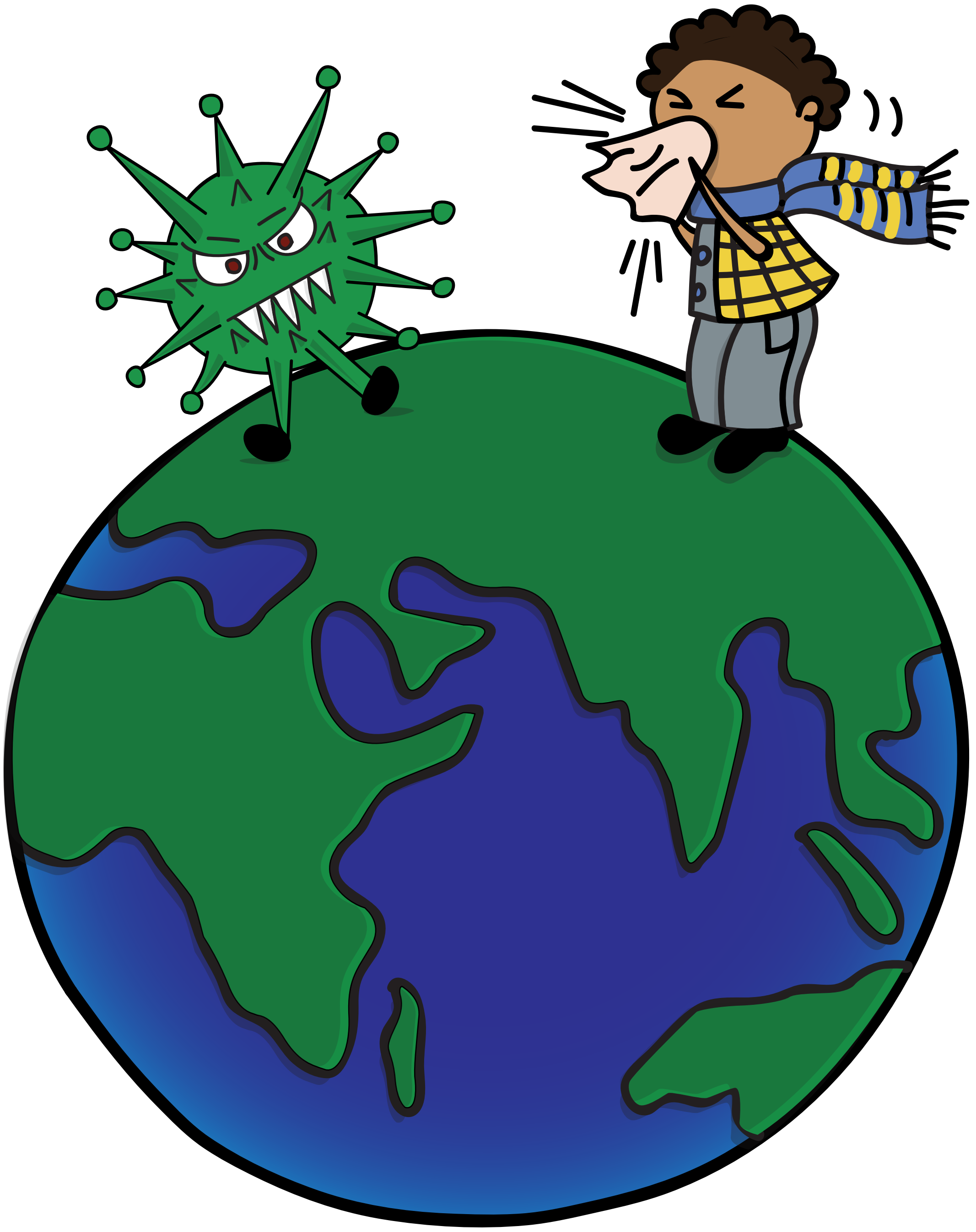

कोई न जाने, रहे यहाँ पर, कब तक यह शायद,
पर हमसब तो मलिजुल, कर सकते हैं इसे गायब।

मत छूना अब अपना चेहरा — मुँह, आँख और नाक,
घुसता, बढ़ता, इन्हीं रास्ते... ये है खतरनाक।

साबुन-पानी से धोना है बार-बार अब हाथ,
खाने से पहले, बीच-बीच में, और खाने के बाद।

हर तरफ से ख़बर आ रही, बहुत ही गंभीर,
“ना खेलो, ना बाहर जाओ, नहीं लगाओ भीड़!”

दोस्त हमारे, दूर हैं सारे, हम अपने घर पर होते हैं,
याद रखो पर, हम सब एक अंबर के नीचे सोते हैं।

और दनि में, सुन सकते हो चड़ियिों का तुम गाना,
सुनो! गर तुम चाहो सुनना, पेड़ों का फुसफुसाना।

आपस में एक दूरी बनाकर इसको रोकना होगा
और इसके लिए हमें तो घर में रुकना होगा।

बाहर अगर जाना ही है तो मास्क पहले पहनो,
इसमें कोई अगर-मगर नहीं, इसके बिना न निकलो।

एक दूजे को नहीं छुओ तो फैल नहीं ये पाए,
शहर छोड़ के भागे वायरस ये है एक उपाय।

वायरस है ये छुपा सा शातिर, चोरों जैसी चाल,
पर ठीक कर रहे नर्स-डॉक्टर, करके देखभाल।

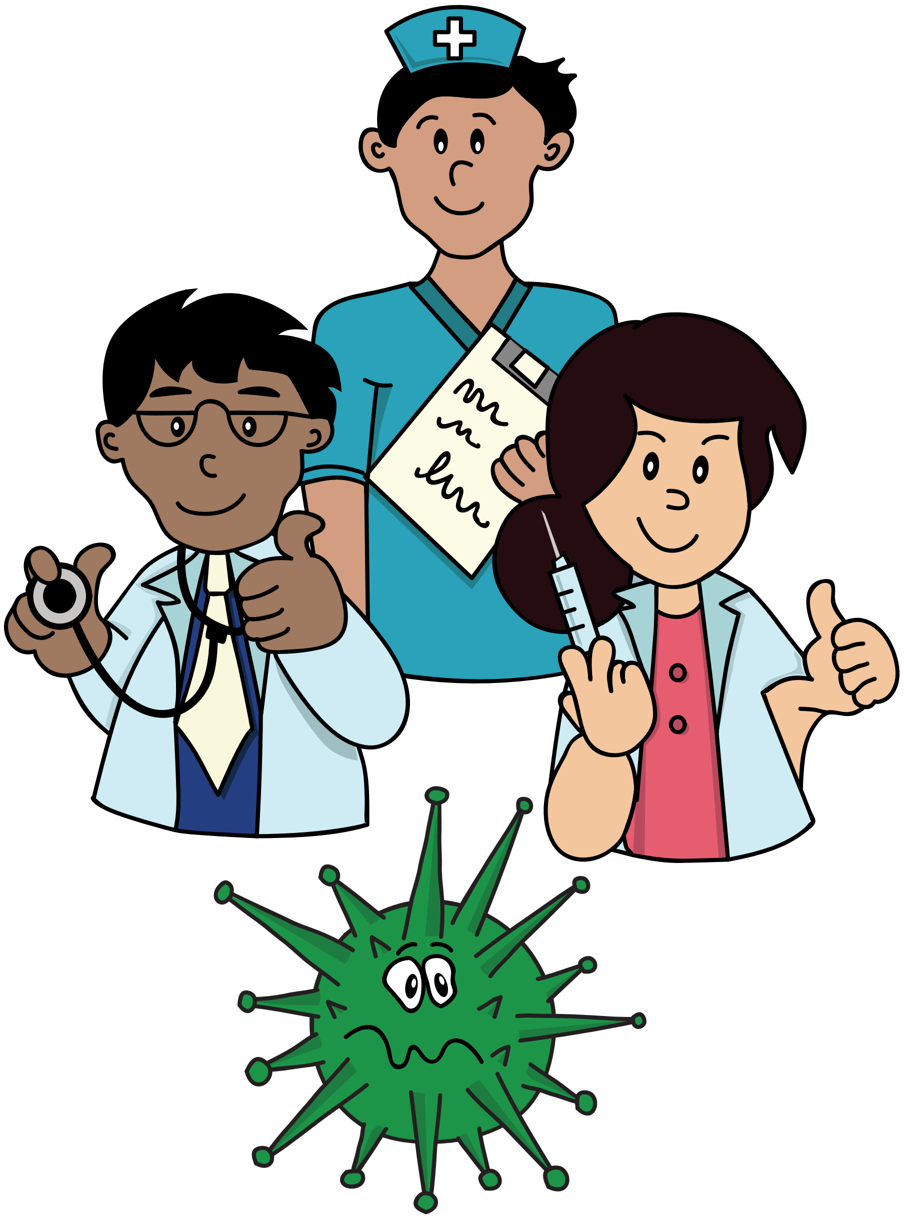

कुछ लोगों के पास नहीं है खाना और ना ठिकाना,
जितना हो सके मिलके हमको, है सबका साथ निभाना।

गर तुम उदास हो, उलझे-से हो, खोज रहे हो जवाब,
बड़ों से पूछो, लगेगा तुमको — सब कुछ नहीं है ख़राब।

थोड़े ही दिन में वायरस बिलकुल दूर चला जाएगा,
और खेलोगे बाहर जाकर — क्या खूब मज़ा आएगा!

याद रखो — सावधान रहो और तुम रहना दयालु,
जल्दी ही सब अच्छा होगा, होगा सब कुछ चालू।

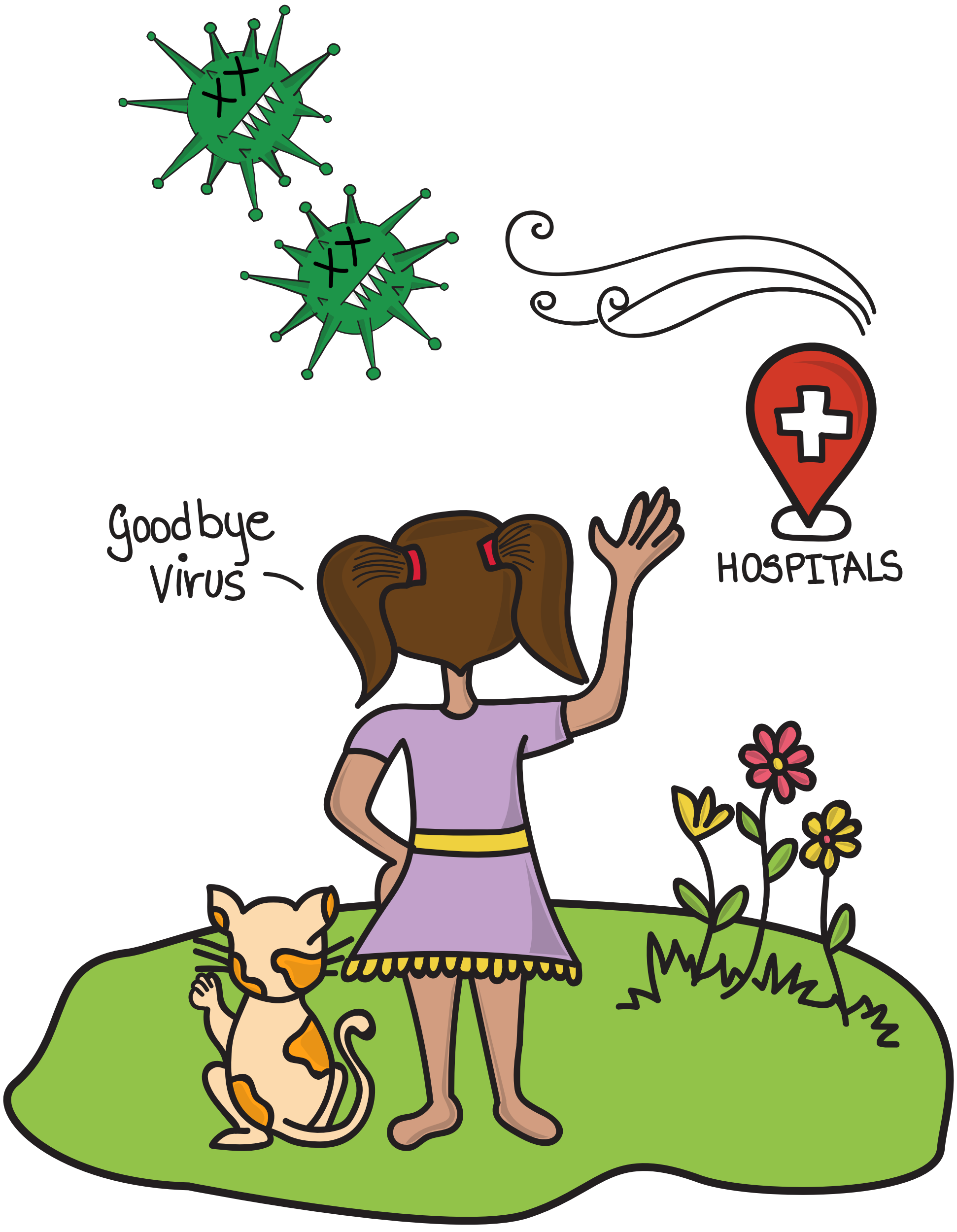

कुछ बातों के बारे में सोचना

घर पर रहकर कैसे बहुत सारी मस्ती कर सकते हैं ?

तुम दिल से किस-किस को शुक्रिया कहना चाहते हो ?

एक्टिविटी इत्ती-इत्ती, तुमने कित्ती-कित्ती सीखी ?

जब भी मन में कोई उलझन हो किसको जाकर बतलाओगे ?

आस-पास तो रुका है सबकुछ, पर सपनो में तुम कहाँ जाओगे ?

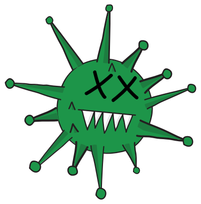

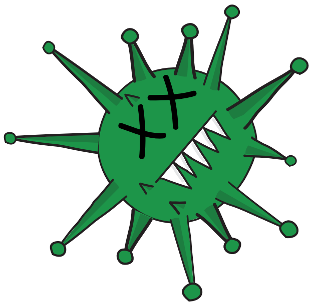

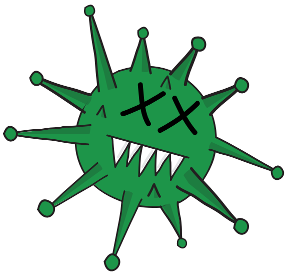

Go Away Coronavirus

Written and Illustrated by Divya Thomas

www.anillustratedworld.com

/an_illustrated_world

© Divya Thomas 2020

This book is a work of fiction based on the author's experiences. Characters, places and events are either products of the author's imagination or used in a fictitious manner. This book is intended as a work of fiction, not to give medical advice or information. If information is required about any content in the book, do ask an appropriate registered medical professional.